



बाइक मांगने पर विवाद ऑटो चालक से मारपीट

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक ऑटो चालक ने दो लड़कों तथा उनके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक सैयद नियाज ने छोटू, सैफुल्ला तथा उनके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। नियाज ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी मां के लिए दवा लेने जाने छोटू से बाइक मांगी। इस पर छोटू ने नियाज को बाइक देने से इनकार करने के साथ ही गाली-गलौज की। नियाज ने छोटू को गाली-गलौज करने से मना किया तो उसने अपने साथी सैफुल्ला तथा अन्य साथियों को बुलाकर नियाज से मारपीट की।

ट्रक की चपेट में आने से फेक्ट्री कर्मों की मौत

रायपुर। धरसीवा थाना क्षेत्र में ट्रक की चपेट में आने से फेक्ट्री कर्मों की मौत के बाद बाइक मांगी। इस पर अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक किशनलाल वर्मा की ट्रक की चपेट में आने से मौत हुई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को किशन अपनी बाइक से कपसदा स्थित कंपनी में नाइट शिफ्ट करने जा रहा था। इसी दौरान तिरैया तालाब के पास तेज रफ्तार ट्रक सीजी 04 एलबी 1642 के चालक ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए किशन की बाइक को ठोकर मार दी। इस दौरान किशन ट्रक के पहियों के नीचे आ गया और उसकी मौत के पर ही मौत हो गई।

पैसे नहीं देने पर अज्ञात बदमाश ने किया हमला

रायपुर। देवेंद्र नगर थाने में एक युवक ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पैसे के विवाद पर जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक पोखन लाल यादव ने अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। पोखन ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात पंडरी स्थित शराब दुकान के पास एक अज्ञात लड़का उसके पास पहुंचा और पैसे की लेन-देन को लेकर विवाद करते हुए अपने कमरे के पास से चाकू निकालकर उसके पेट में गंभीर रूप से वार कर दिया। अस्पताल में उपचार करा रहे पोखन ने होश में आने के बाद पुलिस के पास अपना बयान दर्ज कराया है।

सी-विजिल में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन की रायपुर में ज्यादा शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

सी-विजिल ऐप आचार संहिता उल्लंघन को रोकने के लिए प्रभावी साबित हो रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले निर्वाचन कार्यालय को 544 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 372 शिकायतों का निराकरण कर लिया गया है। रायपुर से सबसे ज्यादा और दूसरे स्थान पर रायगढ़ शामिल है, जहां शिकायतें मिलीं। सी-विजिल ऐप के जरिए कोई भी व्यक्ति ऐसी गतिविधियों की जानकारी दे सकता है, जो आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में हैं। ऐसे मामलों पर निर्वाचन कार्यालय की टीम भी वर्तमान एजेंसियों के माध्यम से कार्रवाई कर रही है। विधानसभा चुनाव में सी-विजिल ऐप पर निर्वाचन कार्यालय को 600 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं थीं। यह एप आम नागरिकों के लिए गूगल प्ले स्टोर या एपल स्टोर पर उपलब्ध है। इसके

544 शिकायतें 372 पर कार्रवाई

सी-विजिल ऐप पर कुल 544 शिकायतें दर्ज की गई हैं। निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक इन शिकायतों में से 372 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। इनमें से लगभग 85 शिकायतें सही नहीं पाए जाने की वजह से इसे रद्द कर दिया गया। वहीं अलग-अलग जिलों में शिकायतें लंबित हैं। लंबित शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। कुल शिकायतों में जिलेवार निराकरण करने प्रतिशत इस प्रकार रहा- रायपुर-30 प्रतिशत, रायगढ़- 7 प्रतिशत, सारंगढ़- बिलासगढ़-6 प्रतिशत, बस्तर-5 प्रतिशत।

वॉकथॉन कर मतदाताओं को किया जागरूक

रायपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डा. गौरव सिंह के निर्देश पर स्वीप मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत वॉकथॉन का आयोजन किया गया। वॉकथॉन कलेक्टर परिसर से मानव श्रृंखला के रूप में प्रारंभ होकर आकाशवाणी चौक होते हुए सुभाष स्टेडियम पर जाकर संपन्न हुई। स्वीप के नोटल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने वॉकथॉन में भाग लेने वालों को सुभाष स्टेडियम में मानव श्रृंखला की गोलाई में खड़े होकर मतदान शपथ दिलाई।

तीसरे चरण के मतदान में 18 दिन, पुणे में अटके 14 हजार वोटों के आई-कार्ड

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मतदान 7 मई रायपुर लोकसभा सीट के लिए भी मतदान होगा। इसके लिए जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारियों में जुटा हुआ है, वहीं दूसरी ओर लोकसभा चुनाव के लिए आवेदन करने वाले 14 हजार से अधिक मतदाताओं के पुणे में आईडी कार्ड फंसे हुए हैं। इन मतदाताओं के एपिक कार्ड को पीडीएफ फाइल बनाकर पुणे भेजे करीब माह भर हो गया है, लेकिन अब तक कार्ड बनकर नहीं आए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि समय रहते एपिक कार्ड अगर किसी मतदाता को नहीं मिल पाता

पुणे में बन रहे कार्ड, इसलिए देर

विभागीय अधिकारियों के अनुसार देशभर के नए वोटर आईडी कार्ड पुणे में तैयार किए जा रहे हैं। इस कारण से कार्ड बनने में भी देर हो रही है। इसके पहले एपिक कार्ड राज्य में ही बनाए जाते थे, तब मतदाताओं को जल्द मिल जाते थे, लेकिन अब सिर्फ पुणे में एपिक कार्ड बनाने का काम चल रहा है, जिसके कारण मतदाताओं को भी देर से मिल पाते हैं।



पुणे से आने में देर

नए वोटर आईडी कार्ड पुणे में तैयार किए जा रहे हैं। वहां से डाक के माध्यम से मतदाता के पोस्टल एड्रेस पर भेजे जा रहे हैं। जिन्हें समय पर नहीं मिल पाएंगे, वे ऑनलाइन ई-एपिक कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

सूर्योदय पीएम योजना में सोलर पैनल लगवाने वालों को मिलेगी 300 यूनिट बिजली मुफ्त

घर की छत पर बिजली उत्पादन करने प्रदेश के उपभोक्ताओं की रुचि कम, अब तक 22 सौ आवेदन

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

सूर्योदय पीएम योजना के तहत अपने घर की छत पर बिजली का उत्पादन करने के लिए प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं की रुचि बहुत कम है। इस योजना में अब तक अपने राज्य में महज 22 सौ आवेदन आए हैं। सबसे ज्यादा 310 आवेदन नक्सल प्रभावित सुकमा जिले से आए हैं, वहीं रायपुर जिले से 150 के आसपास आवेदन मिले हैं। इस योजना में देशभर के एक करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को जोड़ने का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ से इस योजना में करीब 25 हजार उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने की छत्तीसगढ़ राज्य पावर कंपनी ने योजना बनाई है। इस योजना में जुड़ने वालों को हर माह 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी। इसी के साथ योजना में शामिल उपभोक्ताओं का बिजली बिल भी जीरो हो जाएगा। यहां पर घरों में सोलर पैनल लगाने का काम एनटीपीसी को दिया गया है। देश के साथ ही अपने



प्रदेश में भी में बिजली की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले साल रिकॉर्डिंग खपत के बाद अपने राज्य में इस बार अप्रैल में ही बिजली की खपत बहुत बढ़ गई है। मानसून में भी उमस के कारण बिजली ने खपत का रिकॉर्ड पिछले साल तोड़ने का काम किया। आमतौर पर अपने देश में

बिजली की जितनी खपत है, उसकी तुलना में उत्पादन उतना नहीं हो पाता है। आने वाले समय में खपत में लगातार इजाफा भी होगा।

ऐसे में उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर की तरफ ले जाने की योजना बनाई गई है। इस योजना का बड़ा लाभ उपभोक्ताओं को होने के साथ वे बिजली बेच भी सकेंगे।

सुकमा से ज्यादा आवेदन

योजना को लेकर प्रदेशभर से आवेदन मंगाने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। अब तक 22 सौ आवेदन आ गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा सुकमा जिले से 310, दुर्ग से 220, रायगढ़ से 156, बिलासपुर से 140, जांजगीर-चांपा से 135 और रायपुर से 150 के करीब आवेदन आए हैं। साथ ही और कुछ जिलों से आवेदन आए हैं, लेकिन इनकी संख्या गिनती की है।

केंद्र-राज्य से अनुदान

योजना के लिए अपने राज्य में एनटीपीसी को नोटल एजेंसी बनना पड़ेगा है। योजना में केंद्र और राज्य सरकार ने इसके लिए अनुदान भी तय किया है। इसमें केंद्र सरकार से जहां 1 से 2 किलोवाट के लिए 30 से 60 हजार और 3 किलोवाट से अधिक के लिए 78 हजार का अनुदान मिलेगा, वहीं राज्य सरकार से भी 15 से लेकर 45 हजार तक का अनुदान मिलेगा।

तालाब और कुआं के पास अतिक्रमण हटाने चलेगा अभियान, दूषित जल के ट्रीटमेंट की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

शहर के पारंपरिक जल स्रोत तालाब और कुआं की सफाई के लिये नगर निगम जोनवार अभियान चलायेगा। कुआं और तालाब के आसपास अतिक्रमण होने की स्थिति में हटाने की कार्रवाई की जायेगी। 10 जोन के कमिश्नरों को निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने इस आशय के निर्देश दिये हैं। साथ ही वर्षा जल संरक्षण कार्य करने विशेषज्ञों की मदद ली जायेगी।



दस जोन के कमिश्नरों को निर्देश

शबरी कन्या आश्रम में सरना पूजा आज

रायपुर। उरांव (सरना) आदिवासी विकास संघ कविता नगर द्वारा 19 अप्रैल को सुबह 7 बजे सरना पूजा की जाएगी।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 20 अप्रैल को सुबह 6 बजे विसर्जन तक परंपरागत नृत्य-गान के साथ खड़ी-सरहूल पूजा परब कार्यक्रम होगा। यह कार्यक्रम शबरी कन्या आश्रम रोहिणीपुरम आयुर्वेदिक कॉलेज के पीछे पंचवटी प्रांगण में किया जाएगा। यह जानकारी संघ सचिव बुधेश्वर भगत ने देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में शहर के उरांव आदिवासी एवं विभिन्न प्रांतों के नागरिक उपस्थित रहेंगे।

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी रायपुर के कलेक्टरेट परिसर में आम लोगों को गर्मी से बचाने के लिए बैम्बू के नये काँटेज बनाए जा रहे हैं। इन काँटेज को बनाने के लिए बस्तर के कलाकारों की टीम पहुंची है, जो पिछले कई दिनों से काँटेज बनाने में जुटी हुई है। इससे पहले पूर्व कलेक्टर ओपी चौधरी के कार्यकाल में कलेक्टरेट परिसर में आधा दर्जन बैम्बू के काँटेज बनाए गए थे, जो रखरखाव के अभाव में टूट-फूट चुके थे। इन काँटेजों की भी मरम्मत कराई गई है। कलेक्टरेट में हर दिन हजारों लोग पहुंचते हैं। इनमें कोई अपना काम लेकर, तो कोई समस्या व शिकायत लेकर पहुंचता है। परिसर में पंजीयन दफ्तर भी है, जहां हर रोज सैकड़ों लोग रजिस्ट्री कराने भी पहुंचते हैं, जिसके कारण रजिस्ट्री दफ्तर का हाल भी खोटा पड़ जाता है। इसके कारण बड़ी संख्या में लोगों को रजिस्ट्री के लिए अपनी बारी इंतजार करने खुले आसमान के नीचे धूप में खड़े होना पड़ता था, तो कई लोगों को पेड़ों की छांव के नीचे खड़े होकर इंतजार करना पड़ता था। लोगों को होने वाली इस परेशानी से बचाने के लिए पूर्व कलेक्टर ओपी चौधरी के कार्यकाल में परिसर में



आधा दर्जन बैम्बू काँटेज बनाए गए थे। इन काँटेजों के बनने के बाद लोगों को गर्मी से राहत के साथ धूप से भी राहत मिलने लगी है। एक काँटेज में 400 बांस का उपयोग : परिसर में एक रजिस्ट्री कार्यालय के सामने और दूसरा जिला पंचायत कार्यालय के सामने बैम्बू काँटेज का निर्माण कराया जा रहा है। बस्तर के नारायणपुर जिले से आए कलाकारों की टीम के प्रमुख परमेश्वर नाग ने बताया कि पूरा

गर्मी में देंगे राहत

कलेक्टरेट पहुंचने वाले आम लोगों को गर्मी से राहत देने नये बैम्बू काँटेज का निर्माण कराया जा रहा है। ये काँटेज पहले से काफी बड़े हैं, जिससे ज्यादा लोग इसमें बैठ पाएंगे। - गौरव सिंह, कलेक्टर रायपुर

टूट फूट चुके काँटेज सुधारे गए, दो नये बड़े काँटेज का निर्माण

पुराने काँटेज देखरेख के अभाव में टूट फूट गए थे। वर्तमान कलेक्टर गौरव सिंह ने अब इन काँटेजों को सुधारे इन्हें ठीक कराया, बल्कि पुराने काँटेज की तुलना में तीन से चार गुणा बड़े दो नये काँटेज का निर्माण भी करा रहे हैं, ताकि कलेक्टरेट आने वाले आम आदमी को धूप में सड़ा होना न पड़े।

सप्ताह में 3 दिन हटाएंगे सड़क से अतिक्रमण, ग्रीन नेट नहीं लगाने पर कार्रवाई

रायपुर। नगर निगम अमला अब सप्ताह में 3 दिन सड़क पर अतिक्रमण कर लगाये गये ठेले, गुमटियों और कंडम वाहन हटाने की कार्रवाई करेगा। यहीं नहीं, मलबा सड़क पर डंप करने और निर्माण के दौरान ग्रीन नेट नहीं लगाने वालों पर कड़ाई बर्ती जायेगी। इसके लिये जोनवार सूची बनाई गई है। नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया है कि सप्ताह में 3 दिन वे सड़क यातायात बाधित वालों पर कार्रवाई करें।

जू में रहने वाले वन्यजीवों को हीट स्ट्रोक डिहाइड्रेशन से बचाने की जा रही कवायद

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

अप्रैल के शुरुआती दस दिनों में तापमान सामान्य होने के बाद गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। ऐसे में जंगल सफारी में रह रहे वन्यजीवों को हीट स्ट्रोक तथा डिहाइड्रेशन से बचाने सफारी प्रबंधन ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। सफारी के अलग-अलग बाड़ों में रह रहे वन्यजीवों को कूल रखने कूलर लगाने के साथ खुले बाड़ों को ग्रीन नेट से ढंकने का काम किया गया है। जंगल सफारी के डायरेक्टर धम्मशील गणवीर के मुताबिक सफारी के वन्यजीवों को बचाने इस बार पूर्व से इंतजाम किए गए हैं। वन्यजीवों को हीट वेव तथा डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए 28 कूलर लगाए गए हैं। साथ ही सभी बाड़ों को ग्रीन नेट से ढंका गया है। इसके साथ ही ओपन सफारी के खुले में विचरण करने वाले हर्बिबोर प्रजाति के वन्यजीवों को गर्मी से राहत देने बांस तथा लकड़ी खड़े कर पत्तों और मिट्टी की मदद से



छायादार कुटिया तैयार किया गया है, जहां खुले में विचरण तथा चरने के आने वाले हिरण, चीतल, नील गाय जैसे वन्यजीव को गर्मी से बचाने उपाय किए गए हैं।

पर्याप्त पानी रखने दिए निर्देश

बाड़ा के अंदर रहने वाले वन्यजीवों को गर्मी में पाने को पानी की कमी न हो इस बात को ध्यान में रखते हुए उन वन्यजीवों के बाड़ों में पानी के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जू कौंपर को बाड़ों की गिरावटी कर जहां पानी कम हो वहां तत्काल पानी की व्यवस्था करने निर्देश दिए गए हैं।

केंद्रीय भूजल बोर्ड राजधानी की भूजल स्थिति सुधारने करा रहा सर्वे

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी में भूजल संकट से निबटने अब वर्षा जल को संरक्षित करने छोटे-छोटे एक्स्प्लोर जोन विकसित किए जाएंगे। शुरुआत में 4 जगहों को इसके लिए चिन्होंकित किया गया है। भांगोवांग के चिंगरीनाला, देवेंद्र नगर क्षेत्र के नारायणा हास्पिटल के पीछे वाला नाला, सड्डू के सोकरानाला सहित चंदनीडीह में सोवेजर ट्रीटमेंट प्लांट के पास इस तरह के जोन बनाए जाएंगे। 250 से 300 वर्गफीट तक के डबरीनुमा एक्स्प्लोर जोन के लिये बड़े पैमाने पर काम शुरू होंगे। इसके लिये रायपुर नगर निगम पॉयलट प्रोजेक्ट तैयार करेगा। दरअसल, शहर के आउटर बार्ड स्थित मोवा, साईंस सिटी के पास सड्डू तालाब, जीरो पाईट, विधानसभा चौक, सेमरिया जैसे क्षेत्र हैं, जहां का भूजल स्तर 700-800 वर्गफीट नीचे तक चला गया है। वहीं डीपीएस स्कूल के सामने 900 से 1000

भूजल संरक्षण के लिए चार जगह बनाएंगे एक्स्प्लोर जोन, निगम तैयार कराएगा पॉयलट प्रोजेक्ट

व्या है एक्स्प्लोर जोन

एक्वी का आशय है पानी, फर यानी जमीन के अंदर ऐसे चट्टानी पत्थर, जिसमें पानी को भूगर्भ में समाहित करने की क्षमता हो। इस तरह के जोन को एक्स्प्लोर जोन कहा गया है। इन जगहों पर स्ट्रक्चर बनाने से वाटर रीचार्जिंग का फायदा निश्चित रूप से मिलता है। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा देश के प्रत्येक राज्यों में इस तरह का सर्वे समय-समय पर कराया जाता है, ताकि यह पता चल सके कि कौन-से इलाके में जल को समाहित करने वाले चट्टानी पत्थर जमीन के अंदर मौजूद है। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर सहित आसपास के इलाके में पिछले 7 माह से सर्वे चल रहा है। इसकी रिपोर्ट मई माह में आएगी।

वाटर हार्वेस्टिंग का डेमो

आम जनता को वर्षा जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने और इसके विभिन्न तरीकों से अवगत कराने शहर के पंजीकृत भूजल विशेषज्ञ डेमो देंगे। इसके लिए उन्होंने नगर निगम से शहर के किसी एक सामुदायिक भवन उपलब्ध कराने की मांग निगम आयुक्त से की है। भवन उपलब्ध होते ही भूजल विशेषज्ञ वाटर रीचार्जिंग की अलग-अलग प्रक्रिया की खासियत और उसे स्थल पर विकसित करने की तकनीक से अवगत कराएंगे, ताकि शहरवासी इसे देखकर समझ सकें कि अपने घरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठान में रैन वाटर हार्वेस्टिंग का कौन-सा तरीका अपनाना बेहतर होगा।

वर्गफीट तक भूजल की स्थिति बनी है। भूजल वैज्ञानिक विपिन दुबे का कहना है, सड्डू के सोकरानाला क्षेत्र में 700 से 800 वर्गफीट गहराई तक भूजल चला गया है। इसलिए ऐसे जगहों के चिन्होंकित वाटर रीचार्ज के लिए एक्स्प्लोर जोन बनाने का प्लान है। शहर के अंडरग्राउंड वाटर सिस्टम को सुधारने के लिये भूजल बोर्ड द्वारा रायपुर शहर का सर्वे कराया जा रहा है।

निगम के साथ बनाई संयुक्त टीम

निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के मुताबिक पानी रीचार्ज के लिए एक्स्प्लोर जोन के प्रोजेक्ट को धरातल पर लाने एक संयुक्त टीम बनाई गई है, जिसमें नगर निगम, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का भूजल विभाग, एनआईटी का जियोलाजी विभाग, सिविल विभाग के साथ ही नगर निगम से पंजीकृत भूजल वैज्ञानिक शामिल हैं। इनका संयुक्त रूप से काम जल्द शुरू होगा। इसके लिए सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की सर्वे रिपोर्ट का इंतजार है।

खबर संक्षेप

कर्मचारी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। बीएसपी के मुख्य महाप्रबंधक अनंश सेनगुप्ता ने कर्मियों को सम्मानित किया। इनमें प्रबंधक प्रवीण जायसवाल, पवन कुमार जायसवाल, सीनियर आपरेटिव दीपक कुमार खडातकर शामिल हैं। प्रवीण जायसवाल को बी शिफ्ट में, बिना कोई डाउनटाइम रिकॉर्ड किए 163 रोलों को रोल करने और पवन कुमार ए शिफ्ट में, रोल की 162 नग रोलिंग करने के लिए सम्मानित किया गया। इनकी सक्रिय योजना और उसके कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप यह लक्ष्य हासिल हुआ। शिफ्ट के दौरान इनके अथक प्रयास एवं सतत निगरानी की सराहना हेतु पवन कुमार जायसवाल को सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य केंद्र पाटन में प्रशिक्षण आयोजित हुआ



पाटन। पाटन ब्लॉक अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व उप स्वास्थ्य केंद्र के सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति में स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा पर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें सफाई कर्मचारियों के लिए विभिन्न विभागों के योजनाओं के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों व स्वास्थ्य सुरक्षा, सफाई की तरीके, पीपीई किट का उपयोग उनके फायदे व सुरक्षा कीट पहनने व उतारने के सही तरीके, सफाई के लिए सोडियम हाइपो क्लोराइड का सहित मिश्रण, 4 रंगों के डस्टबिन का बायोमैट्रिकल वेस्ट वेस्ट के उपयोग एवं निष्पादन के तरीके आदि संबंधी जानकारी प्रदान की। 47 सफाईकर्मी रहे उपस्थित जिला पंचायत दुर्ग के निदेशन में स्वच्छ भारत मिशन के तहत मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला दुर्ग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। समर्थन संस्था से प्रशिक्षक दिनेश कुमार व प्रियंका सिन्हा उपस्थित रहे, साथ ही खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा उपस्थित होकर हाथ धोने के 6 चरण, नियमित स्वास्थ्य जांच, सफाई के तरीके व सुरक्षा किट के उचित उपयोग व फायदे सम्बन्धी जानकारी प्रदान की गई।

पीयूसीएल की जिला कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई
पीयूसीएल की सेक्टर -2 शक्ति सदन में हुई बैठक में जिला इकाई की कार्यकारिणी का चयन किया गया।
जिला अध्यक्ष, वीएन प्रसाद
■ कई प्रस्ताव पारित

राव, सुरेंद्र मोहंती उपाध्यक्ष, कलादास दहरीया सचिव चोवाराम साहू सहसचिव, सुनीत परगनिहा कोषाध्यक्ष बनाए गए। नीरा डहरीया, जयप्रकाश नायर, अधिवक्ता अमित, अधिवक्ता प्रभा सिंह, सोमनाथन, तुकाराम तथा एस.एस गिल को कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। मानवाधिकार के उल्लंघन को लेकर आम सभा हुई जिसमें मुख्य बक्ता शालिनी गेरा, जनक लाल ठाकुर तथा शौरा यादव

डेयरी संचालक पर जुर्माना-नहर सफाई में लाए तेजी

नाली में गोबर देख मड़के आयुवत

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई
डेयरी संचालक की मनमानी पर गुरुवार को आयुक्त मोनिका वर्मा ने फटकार लगाई। डेयरी संचालक पर दो हजार का जुर्माना लगाया। दरअसल डेयरी संचालक दुधारू मवेशी के गोबर को सार्वजनिक नाली में डाल रहा था। डेयरी संचालक के इस हरकत को देख नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने डेयरी संचालक को समझाए देने मौके पर बुलवाया। समझाइश के पहले वार्ड 29 निवासी डेयरी संचालक बिसोहा राम यादव यह कहते हुए बहस करने लगा कि वह अकेला नहीं है जो नाली में कचरा डालता है। डेयरी संचालक के इस व्यवहार को देखने के बाद आयुक्त ने मौके पर ही 2000 जुर्माना वसूल करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग से कहा कि खटाल संचालक दोबारा गलती करते पाए जाने पर दो गुना जुर्माना वसूल किया जाए।



सफाई पर हर रोज हो मॉनिटरिंग
आयुक्त ने वार्ड 29 में चल रहे सफाई कार्य का जायजा लिया। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के प्रमारी अधिकारी को निर्देश दिए कि वार्ड में होने वाले सफाई कार्य की मॉनिटरिंग प्रतिदिन हो। सफाई कार्य में मानव संसाधन की कमी होने पर एजेंसी को नॉटिस जारी करें।

नहर सफाई में लाए तेजी
सिंचाई विभाग द्वारा निस्तारी तालाब के लिए दिए जाने वाले पानी की स्थिति की जानकारी ली। आयुक्त ने वीआईपी नहर स्थित नहर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जल्द ही नहर सफाई कार्य पूर्ण करने निर्देश दिए।

रेलयात्री समय बचाने करें यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप का उपयोग

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई

रेलवे ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा के बाद मोबाइल से ऐप द्वारा जनरल टिकट खरीदने की सुविधा यात्रियों को दी है। इस सुविधा से यात्रियों को स्टेशन पर आकर टिकट काउंटर से लाइन में खड़े होकर टिकट खरीदने की जरूरत अब नहीं है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप को यात्रियों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है एवं दिनों-दिन इस सुविधा के उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

43 लाख से ज्यादा यात्री कर रहे उपयोग

वित्तीय वर्ष 2023-24 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लगभग 5 करोड़ 21 लाख यात्रियों ने यूटीएस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक किया। मार्च 2024 के महीने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 43 लाख से भी ज्यादा अर्थात् 20.72 प्रतिशत से भी अधिक यात्रियों ने अनारक्षित टिकट बुकिंग यूटीएस ऐप के माध्यम से भी जो की पूरे भारतीय रेलवे में सर्वाधिक रही। यात्रियों को टिकट काउण्टरों में लगने वाली लाइनों से निजात दिलाने, शीघ्र टिकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घर बैठे यात्रा टिकट बुकिंग के साथ साथ सीजन टिकट (एसएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। यात्री अपने मोबाइल पर इस ऐप को डाउनलोड करके घर बैठे आसानी के साथ त्वरित अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट (एसएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते हैं। इस मोबाइल ऐप के माध्यम से प्लेटफॉर्म टिकट भी प्राप्त किये जा सकते हैं।

मिल रहा है अच्छा रिस्पॉन्स

खास बातें
■ यात्री डाउनलोड कर घर बैठे ले सकेंगे सुविधा
■ करवा सकते नवीनीकरण भी
■ प्लेटफॉर्म टिकट भी कर सकते हैं बुकिंग
■ सीजन टिकट का भी मिलेगी सुविधा



ऐसे करें ऐप डाउनलोड

गूगल प्ले स्टोर, एप्पल स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें तथा रजिस्ट्रेशन हेतु साइन अप करें। लॉगिन आईडी, मोबाइल नं. रजिस्टर्ड करें तथा मेसेज के द्वारा प्राप्त चार अंकों के पासवर्ड का उपयोग करें। टिकटों के प्रकार का चयन करें। (यात्रा टिकट, सीजन टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट तथा यात्रियों की संख्या) टिकट के भुगतान हेतु R-Wallet का उपयोग करें। R-Wallet को डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यू.पी.आई जैसे पेटीएम, गूगल-पे, फोन पे आदि अथवा यूटीएस काउण्टर द्वारा रिचार्ज किया जा सकता है।

25 किमी दूर से भी करेगा ऐप काम

स्टेशन से दूर रहने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसके दायरे को बढ़ाकर 25 किलोमीटर भी कर दिया गया है, अर्थात् यात्रीगण स्टेशन से 25 किमी की दूरी से भी इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट (एसएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कुल अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में 13 प्रतिशत से भी अधिक यात्रा टिकट यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से खरीदे गए, जिसमें लगभग 67 लाख से भी अधिक रेल यात्रियों ने यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के द्वारा अनारक्षित टिकट की खरीदी कर यात्रा की।

सियासत : शराबबंदी के नाम पर 5 साल जमकर बेची शराब

कांग्रेस सरकार ने की प्रदेश की दुर्गति : विजय

हरिभूमि न्यूज ►► बेमेतरा

लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी व वर्तमान सांसद विजय बघेल ने शुक्रवार को जिले के बेरला ब्लॉक और बेमेतरा विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क किया। इस दौरान श्री बघेल ने जीत के लिए समर्थन मांगते हुए कहा कि आज देश प्रधानमंत्री मोदी के अथक मेहनत से विश्व शिखर पर पहुंच कर हर भारतवासियों का सिर विश्व पटल पर ऊंचा हुआ। भाजपा जो कहती है उसे करके दिखाती है। हमने किसान भाइयों से लेकर दाई-दीदी के सम्मान में महतारी वंदन योजना शुरू किए। श्री बघेल ने अपने जनसंपर्क में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कांग्रेस जो कहती उसे कभी करती नहीं है। शराब बंदी करेगे बोले और 5 साल जमके शराब बेचे है। प्रदेश की दुर्गति कर दिए। जिस तरह से विधानसभा चुनाव में आप लोगों ने भाजपा पर विश्वास जताया और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाए है, वैसे ही इस लोकसभा चुनाव में भी एक बार फिर से मोदी की सरकार बनाए इसलिये कमल फूल में सब को बटन दबाना है।



कांग्रेसियों ने ली भाजपा की सदस्यता

बेमेतरा। भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी के मार्गदर्शन में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कार्यकर्ताओं को भाजपा का गमछा पहनाकर सदस्यता दिलाई। इस दौरान भाजपा नेता विजय बघेल ने कहा कि सभी मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर लोग भाजपा की सदस्यता ले रहे हैं। मोदी सरकार की योजनाओं से गरीब परिवारों का उत्थान हुआ है। जिसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालय योजना, मुद्रा लोन, आयुष्मान योजना, किसान सम्मान निधि, आदि योजनाएं हैं। जिनका लाभ देश की जनता को मिल रहा है। इस अवसर पर दिलीप निषाद, अध्यक्ष जिला निषाद समाज, उपसंरक्षक ग्राम पंचायत भरवट्टी, उपसंरक्षक ग्राम तबलघोर और ग्राम निजामा में मदन लाल वर्मा संरक्षक डगनिया साजा के नेतृत्व में साथियों और ग्रामीणों ने को भाजपा प्रवेश कर सदस्यता ग्रहण किया।

ये रहे मौजूद

ग्रामीण क्षेत्र की जनसभा में पूर्व सांसद ताराचंद साहू के पुत्र दीपक ताराचंद साहू, किसान नेता योगेश तिवारी, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल राजेंद्र शर्मा ने भी संबोधित किया। श्री बघेल विधानसभा के बेरला, बेमेतराब्लॉक के ग्राम खिसोरा, परपोड़ा, मोहनभट्टा, गनियारी, खम्हरिया, सिंधौरी, निनवा, बैजलपुर, खिलोरा, अमोरा, मटका, जिजा, कुसमी गांव में जन चौपाल लगाया। जनसंपर्क में भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, जिला महामंत्री नरेन्द्र वर्मा, चुनाव प्रभारी राजीव चौबे, बलराम पटेल, छोटेलाल साहू, हर्ष तिवारी, विजय सिन्हा, अजय शर्मा, हेरोलाल सिन्हा, राकेश मोहन शर्मा, सुरेश पटेल, ललित साहू, संध्या परगनिहा, योगेश वर्मा, दीपक मोटवानी सहित अन्य भाजपा नेता शामिल रहे।

कंतेली शाला में समर कैंप का आयोजन

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला कंतेली में 18 से 25 अप्रैल तक समर कैंप का आयोजन किया गया है। समर कैंप के बच्चों को शिक्षा के अलावा विभिन्न विधाओं से अवगत कराया जाएगा। जिसमें ड्राइंग, पेंटिंग, रंगोली बनाना, खिलौने बनाना, खेल-खेल में गणित बनाना, जादू, अंतराक्षरी, गीत, कहानी, नृत्य आदि बच्चों को सिखाया जाएगा। साथ ही साथ प्राथमिक स्तर के

बच्चों को गणित, हिंदी व अंग्रेजी का शिक्षण भी कराया जाएगा। शासकीय प्राथमिक शाला कंतेली में पदस्थ शिक्षिका आंचल वर्मा के द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार के आयोजन अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की सहयता से किया गया है। कार्यक्रम में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से श्रेष्ठा मैडम ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई तथा बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को दिखाकर

उनका उत्साह वर्धन किया। समर कैंप के दूसरे दिन बच्चों को ड्राइंग सीट पर यातायात के साधनों की पेंटिंग करते हुए उन्हें इनके दैनिक जीवन में उपयोग से परिचित कराया। प्राथमिक स्तर के बच्चों को विभिन्न रंगों से भी परिचित कराया। शिक्षक के साथ सहयक गतिविधियों से बच्चों में उत्साह का माहौल है। प्राथमिक स्तर के बच्चे बड़ी संख्या में इस समर कैंप में भाग ले रहे हैं।

चुनाव इयूटी करें या शादी

लोगों को बसों के लिए ही नहीं भटकना पड़ रहा है बल्कि विवाह कार्यक्रम में शरीक होने के लिए भी भग्न होकर रहना पड़ रहा है। शहर में कई ऐसे कई कर्मचारी हैं, जिनके बच्चों और रिश्तेदारों के विवाह अगले हफ्ते और मई के पहले हफ्ते में हैं। ऐसे लोगों की चुनाव में इयूटी लगी होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों ने तो चुनाव को देखते हुए विवाह की तिथि आगे बढ़ा दी है लेकिन कई लोग हैं, जो अपने परिवार या रिश्तेदारी में विवाह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पा रहे हैं।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जाता में हर्षोल्लास के साथ मनी महात्मा हंसराज जयंती



हरिभूमि न्यूज ►► बेमेतरा/दाही

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जाता में महात्मा हंसराज जयंती पर विद्यालय में विभिन्न आयोजन एक्टिविटी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़-बड़कर भाग लिया। संस्था के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षकों सहित विद्यार्थियों ने महात्मा हंसराज के छायाचित्र पर श्रद्धा के पुष्प सुमन अर्पित किए। इस दौरान प्राचार्य प्रचार्य ने छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि महात्मा हंसराज का जन्म 19 अप्रैल 1864 को होशियारपुर पंजाब के समीप बजवाड़ा ग्राम में हुआ एवं स्वर्गारोहण 14 नवंबर 1938 को लाहौर में हुआ। महात्मा हंसराज का कार्य समाज के लिए अद्वितीय रहा और उन्होंने अल्पायु में ही आर्य समाज तथा राष्ट्र के विशाल क्षेत्र में कार्य करना प्रारंभ कर दिया था।

माता गणेश देवी के पुत्र हंसराज के पिता लाला चुन्नीलाल स्वभाव से सत्संग प्रेमी और स्वतंत्र विचारों के थे। यह संस्कार बच्चे पर भी पड़े, परिवार साधारण था। 12 वर्ष की आयु में पिता का देहांत हो गया तो

विद्यार्थियों ने विभिन्न आयोजनों में लिया भाग

शिक्षा का आरंभ जिस प्राइमरी स्कूल से हुआ वह भी दूर था। इस तरह पढ़ाई बहुत तपस्या के साथ चल रही थी। इस अवस्था में भी बालक हंसराज गांव वालों के पत्रों को लिखकर तथा आने वाले पत्रों को पढ़कर सुनते हुए लोक सेवा करता रहा। बड़ी कक्षाओं में पहुंचकर भी उसकी सेवा भावना यथावत बनी रही। इस बीच सन 1877, अप्रैल में जब महर्षि दयानंद लाहौर आए तो उनके दर्शन से हंसराज अत्यंत प्रभावित हुए और पंडित गुरुदत्त, लाला लाजपत राय, राजा नरेंद्र नाथ और द्वारकादास आदि इनके सहपाठी थे। यह सभी भी आगे चलकर पंजाब के प्रमुख हस्ती बने। महात्मा हंसराज के प्रसिद्ध आर्य समाज नेता समाज सुधारक और शिक्षा भी थे। उनके महत्वपूर्ण योगदान और प्रयासों के फलस्वरूप ही देशभर में डीएवी के नाम से आज लगभग 900 से अधिक विद्यालय व महाविद्यालय

गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा प्रदान कर देश व राष्ट्र के नाम रोशन कर रहे हैं। महात्मा हंसराज, स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित थे। महात्मा हंसराज अपनी समाजसेवा, कर्तव्यनिष्ठा की भावना और शिक्षा की क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान देने वाले ऐसे महामुर्षु हैं जिसके वजह से आज डीएवी संस्थान पूरे एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी शिक्षण संस्थान बन गया है। कार्यक्रम में विद्यालय से शिक्षक ललित देवांगन, अखिलेश पटेल, राहुल पटेल, निशु गुप्ता, अनिल चन्द्रनीश, ज्ञानेश्वर साहू, मनीषा सोनी, दीपिका वर्मा, आयुषी जैन, कैलाश सिंह, गोविंद प्रसाद साहू, राजा तंतुवाय, रेणुका पटेल, छोटू साहू, सुमित्रा पटेल, रितिका साहू, अमित पटेल, सविता साहू, सुखदेव साहू, विजय चंद्रकर, गीता साहू, युवराज, नरेश साहू आदि उपस्थित रहे।

आचार संहिता के चलते स्मार्ट नहीं हो सके साढ़े तीन लाख मीटर

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्ग
जिले में घरेलू मीटर को स्मार्ट करने की योजना आचार संहिता के चलते अटक गई है। जिले में साढ़े तीन लाख से अधिक घरेलू मीटर को स्मार्ट में बदलने की योजना थी। लेकिन एन वक्त में लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लागू के चलते टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। उल्लेखनीय है कि, पहले चरण में दुर्ग जिले में

प्रोजेक्ट की शुरुआत होने के बाद दूसरे चरण में दुर्ग, राजनांदगांव और जगदलपुर में आगामी तीन माह में टारगेट पूरा किया जाना था। ऐसी जानकारी मिली है कि, केन्द्र सरकार द्वारा बड़ी कंपनियों को टेंडर दे दिया गया है। लेकिन छग में प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। जिसके चलते ऐसी संभावना है कि, आचार संहिता हटते ही योजना को बिजली कंपनी द्वारा अमलीजामा पहनाया जाएगा।

